डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.६२ आर.एन.आई.संख्या ४०३६७/८४ नेट संस्करण www.awajdarpan.com पर पढें

साप्ताहिक

आवाज दर्पण

प्रत्येक रविवार

बस्ती (उ.प्र.) वर्ष ४९ अंक २८ रविवार ३० जून से ०६ जुलाई २०२४ मूल्य तीन-रुपये

पेपर लीक मामले को लेकर दोनों सदनों में हंगामा, कार्यवाही स्थगित

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि इंडिया गठबंधन नीट परीक्षा और पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार के साथ रचनात्मक बहस करना चाहता है. उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमें संसद में ऐसा करने की अनुमति नहीं दी गई। यह एक गंभीर चिंता है जो पूरे भारत में लाखों परिवारों को परेशान कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि हम प्रधानमंत्री से इस मुद्दे पर बहस करने और छात्रों को वह सम्मान देने का आग्रह करते हैं जिसके वे हकदार हैं। इससे पहले, राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश करते हुए राज्यसभा में भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जवाहरलाल नेहरू की तुलना नहीं है, साथ ही कांग्रेस पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि जो तीन चुनाव के बाद भी तीन डिजिट की संख्या प्राप्त नहीं कर पाए, चुनाव के बाद उनके चेहरे की चमक देखिए. उनकी आवाज की खनक देखिए. उनके जलवे में धमक देखिए. ऐसा लगता है कि मानो बहुत बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली. इसका कारण यह है महोदय कि एक बच्चा होता है जो टॉपर होता है, अगर वह डिस्टिंक्शन के बदले फर्स्ट डिवीजन लाए तो उसके चेहरे पर वह खुशी नहीं होती है. वहीं फेल होने वाला बच्चा अगर ग्रेस अंक लाकर थर्ड डिवीजन पास हो जाए तो उसे बड़ी खुशी होती है।

मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी पेपर लीक मामले पर हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही सोमवार यानी 1 जुलाई, 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे दोबारा शुरू होने पर भी विपक्ष ने हंगामा जारी रखा। विपक्षी सांसद नीट पेपर लीक मामले पर तुरंत चर्चा की मांग पर अड़े हुए थे। लोकसभा अध्यक्ष ने विपक्षी सांसदों को शांत करते हुए कहा कि संसद को न चलने देना संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है. उन्होंने कहा कि सदस्य राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं, वह इसकी इजाजत देंगे. इसके बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू ने कहा कि संसद के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद धन्यवाद प्रस्ताव के अलावा किसी और विषय पर चर्चा की परंपरा कभी नहीं रही है. कांग्रेस पार्टी और उसके साथी दलों ने सदन की गरिमा को ताक पर रखा है. विपक्षी सांसद राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के विरोध में वेल तक आए हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक का मुद्दा उठाया और विपक्षी सांसदों के साथ मिलकर इस मामले पर चर्चा की मांग की. लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा पहले की जाए। इसपर विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, '..हम विपक्ष और सरकार की ओर से भारत के छात्रों को एक संयुक्त संदेश देना चाहते थे कि हम इस मुद्दे को जरूरी मानते हैं. इसलिए, हमने सोचा कि छात्रों के सम्मान के लिए हम पेपर लीक पर चर्चा करेंगे।

जेल से निकल केंद्र सरकार पर बरसे हेमंत सोरेन

रांची (आभा)। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उच्च न्यायालय ने बड़ी राहत दी। कोर्ट ने शुक्रवार को सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में जमानत दे दी। जमानत मिलने के बाद शुक्रवार शाम हेमंत रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से बाहर भी आ गए। कोर्ट ने सोरेन की जमानत याचिका पर अपना फैसला 13 जून को सुरक्षित रख लिया था। कथित जमीन घोटाले में हाई कोर्ट से जमानत मिलने के बाद झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री जेल से बाहर निकल आए हैं। घर पहुंचते ही परिवार ने उनका जोरदार स्वागत किया। माता–पिता से आशीर्वाद लेने के बाद हेमंत सोरेन ने मीडिया के सामने आकर बात की। उन्होंने एक तरफ अदालत को धन्यवाद दिया तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का भी जिक्र किया। पूर्व सीएम की अनुपस्थिति में पार्टी का कामकाज देख रहीं उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि आज का दिन बहुत भावुक करने वाला है और अपनी भावना व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्दों की कमी है। हेमंत सोरेन ने कहा कहा, 'मैं पांच महीने के बाद जेल से आया हूं। इन पांच महीनों का जो वक्त था इस राज्य के लिए, हमारे झारखंडी भाइयों के लिए, यहां के मूल निवासी आदिवासियों के लिए चिंतनीय महीने रहे हैं। पूरे देश के पता है कि मैं किसलिए जेल गया और आखिरकार न्यायालय ने अपना न्याय सुनाया है। उसी के तहत आज मैं बाहर हूं।

किसके संरक्षण में कागजों में चल रहा है मनरेगा का कार्य..!

संवाददाता–कलवारी (बस्ती)। जरूरतमंदों को गांव में ही काम मिले इसे लेकर सरकार द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर मनरेगा योजना चलाया जा रहा। जिसके तहत ग्राम पंचायतों में जाबकार्ड धारकों गांव में ही सौ दिन कार्य दिया जाता है। किन्तु सचिव, जेई व रोजगर सेवक के सह पर ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा योजना में खेला किया जा रहा है। कागजों में मनरेगा कार्य चलाया जा रहा है और कार्य मजदूरों के बजाय मशीन से कराया जा रहा है। ग्राम प्रधान द्वारा खुले तौर पर विभागीय संरक्षण में गरीबों हक पर डाका डाला जा रहा है। किंतु विभागीय जिम्मेदार मौन साधे हुए हैं।

पूरा मामला विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ग्राम पंचायत अक्सड़ा का है। जहां रामसजीवन के खेत के पास तालाब की खुदाई व सफाई कार्य, राजमन के खेत से रामदीन के खेत तक चकबंध निर्माण व गुसाईं के खेत से मनोज के खेत तक कुल 3 कार्य पर सौ से अधिक लेबर महज कागजों में चलाये जा रहे हैं। राष्ट्रीय सहारा की टीम ने जब हकीकत जानने का प्रयास किया तो मौके पर एक भी लेबर कार्य करते नहीं पाए गए। जबकि सौ से अधिक लेबरों की ऑनलाइन हाजिरी हर रोज लगाई जा रही है। वहीं तालाब खुदाई व सफाई मामले में जेसीबी मशीन से कार्य करवाये जाने की बात सामने आई। पूछे जाने पर ग्राम प्रधान ने मशीन से कार्य करवाये जाने की बात मानते हुए बताया कि वर्क लंबा होने के कारण जेसीबी से कार्य करवाया गया है। वहीं मौके पर जिस तालाब पर कार्य चल रहा था उसमें पानी भरा मिला। अब सवाल उठता है कि जिस तालाब में पानी भरा है उस पर मस्टररोल कैसे चल रहा है।

सचिव दीपक कुमार से जब कागजों में मस्टररोल चलने की जानकारी लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बताया कि मस्टररोल चलने की उन्हें कुछ जानकारी ही नहीं है। अक्सडा ग्राम पंचायत में कितने वर्क चल रहे हैं इसे सचिव नहीं बता पाए और न लेबरों की संख्या ही बता पाए। कहा कि जानकारी ली जाएगी अगर कार्य होता नहीं मिला है तो इसे भी देखा जाएगा।

पूछे जाने पर बीडीओ आलोक कुमार पंकज ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था बिना कार्य करवाये अगर मस्टररोल चलाया जा रहा है तो इसकी जांच करवाते हुए आवश्यक कार्यवाई की जाएगी।

पेपर लीक मामले में गृह मंत्री अमित शाह से मिले राजभर

नई दिल्ली (आभा)। पेपर लीक मामले में वीडियो वायरल होने के बाद विपक्ष के निशाने पर आए सुभासपा के विधायक बेदी राम ने पार्टी अध्यक्ष ओपी राजभर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ओपी राजभर पर चौतरफा दबाव बढ़ रहा है। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बेदी राम को लेकर भाजपा को घेरा और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर दी तो सीएम योगी ने ओपी राजभर को तलब कर लिया। योगी के बाद शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह ने राजभर को बुला लिया है। अमित शाह के बुलावे पर सुबह–सुबह ओपी राजभर लखनऊ से दिल्ली पहुंचे। संसद भवन में स्थित अमित शाह के दफ्तर में उनसे मुलाकात की। अभी तक बातचीत का ब्योरा तो नहीं मिला है लेकिन माना जा रहा है कि बेदी राम के कारण यूपी में बन रही परिस्थितियों पर ही बातचीत हुई है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि ओपी राजभर के लिए बेदी राम का वीडियो गले की हड्डी बन गया है। इस वीडियो के साथ ही ओपी राजभर का भी एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में ओपी राजभर खुद बेदी राम को जुगाड़ से नौकरी दिलाने वाला बताते हुए कह रहे हैं कि अब तक लाखों चेलों को नौकरी दिला चुके हैं। इसी वीडियो में ओपी राजभर कहते हैं कि फार्म भरने के बाद कॉल लेटर आए तो बेदी राम को कॉल कर लेना नौकरी का जुगाड़ हो जाएगा।

सीधा साधा सच्चा लिख,जो भी लिख, पर पक्का लिख।
मत लिख इनके–उनके जैसा, केवल अपने जैसा लिख।।
– बालसोम गौतम
डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी.62 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार

टैक्स वसूली और सुविधायें

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि गुणवत्ता की सेवा दिए बिना कोई टैक्स वसूलना उपभोक्ता के साथ अन्याय है। यह बात हर सरकारी व निजी महकमे पर लागू होती है। लेकिन यथार्थ में ऐसा होता नहीं है और बेहतर सेवा के बिना टैक्स वसूलने के खिलाफ लोग लोक अदालतों से लेकर विभिन्न अदालतों के दरवाजे खटखटाते रहते हैं। बहरहाल, यह बात सर्वविदित है, लेकिन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान ने इस बहस को तेज किया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमें टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की कारगुजारियों पर नजर रखनी चाहिए। मंत्री को विभाग की खामियों पर पर्दा डालने के बजाय सेवा में सुधार की पहल करनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली–पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। साथ ही जरूरी है कि शिकायत दर्ज करने और शिकायतों के तुरंत निवारण हेतु एक स्वतंत्र तंत्र भी विकसित किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है। लोगों के समय व वाहनों में पेट्रोल–डीजल में बचत हुई है। लेकिन कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी या सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है। पहले राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स चुकाने के लिये घंटों लाइन में लगना पड़ता था। कालांतर फास्टैग व्यवस्था से टोल कटने लगा। आज 98 फीसदी वाहनों में स्मार्ट टैग के माध्यम से निर्बाध यात्रा की जा रही है। आने वाले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम आधारित टोल संग्रह प्रणाली को अंजाम देने की तैयारी में है। जिसके बाद राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल गेटों की जरूरत नहीं रह जाएगी। फिर टोल प्लाजा पर गाड़ी धीमी करने व रोकने की भी जरूरत नहीं रहेगी। इसे देश में चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जाएगा। पहले व्यावसायिक वाहनों से इसका प्रयोग शुरू होगा। जिसके लिये वाणिज्यिक वाहनों के लिये वाहन ट्रैकर सिस्टम यानी वीटीएस स्थापित करना जरूरी होगा। कालांतर अगले चरण में निजी वाहन भी इस टोल प्रणाली के दायरे में लाए जाएंगे। सरकार को उम्मीद है कि इस प्रणाली के लागू होने से टैक्स चोरी रुकेगी और जीएनएसएस आधारित टोल संग्रह प्रणाली से सरकार के टोल राजस्व में दस हजार करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। दरअसल, यह नया सिस्टम न केवल सही ट्रैकिंग कर पाएगा बल्कि यह राजमार्ग पर उपयोग की गई दूरी के आधार पर सटीक टोल गणना भी करेगा। बहुत संभव है आने वाले वर्षों में कार निर्माता कंपनियां अपने वाहनों पर ट्रैकिंग डिवाइस लगाएं। प्रारंभ में इस सिस्टम को प्रमुख हाईवे व एक्सप्रेस–वे पर लागू किया जाएगा। जिसमें तय की गई दूरी के आधार पर ओबीयू से लिंक किए गए बैंक खाते से टोल टैक्स की राशि स्वतरू कट जाएगी। निश्चित रूप से इस नये सिस्टम से भविष्य में टोल प्लाजा की आवश्यकता न होगी, लोगों का समय भी बचेगा। लेकिन सरकार ध्यान रखे कि सड़कों की गुणवत्ता को बनाये रखना पहली प्राथमिकता बनी रहे।

राहुल गांधी की बढ़ती राजनीतिक ताकत

–ललित गर्ग–

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है।

देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों–योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम–राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा।

पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है।

यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय–समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ–कुछ सीटों पर हार–जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू–मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

राहुल गांधी सदन में विपक्ष की मजबूत आवाज बनकर उभरेंगे, इसमें सन्देह नहीं है। पक्ष एवं विपक्ष के बीच एक संतुलन बनना लोकतंत्र की खूबसूरती है एवं अपेक्षा भी है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में विपक्ष के नेता की प्रमुख भूमिकाओं में से एक सरकार की नीतियों पर 'प्रभावी' सवाल उठाना है। विपक्ष के नेता की भूमिका वास्तव में बहुत चुनौतीपूर्ण होती है क्योंकि उसे सरकार की विधायिका और जनता के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित करनी होती है। नेता प्रतिपक्ष के रूप में उन्हें सरकारी प्रस्तावों–नीतियों के विकल्प प्रस्तुत करने होते हैं। निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष अलग एवं ऊंचे स्तर पर अपने तेवर दिखा सकता है। सरकार के लिए कोई भी बिल पास कराना अब इतना आसान नहीं होगा। मोदी की स्थिर सरकार देने की जद्दोजहद के बीच मोदी और राहुल के बीच की टकराव की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता है, लेकिन बावजूद इसके सदन में सकारात्मक वातावरण बना रहना भी जरूरी है। स्थिर सरकार देश की बड़ी जरूरत है, राजनेताओं से उम्मीद की जाती है कि एक बार जनादेश आने के बाद वे चुनावी दौर की कड़वाहट एवं आरोप–प्रत्यारोप की छिछालेदार राजनीति को भुलाते हुए जनता के हित में मिलकर काम करें। इस बार भी चुनाव में अपनी–अपनी पार्टियों के प्रचार की अगुआई करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने एक–दूसरे पर खूब हमले बोले हैं। अब उन बातों को पीछे छोड़ते हुए उन्हें बेहतर तालमेल वाले कामकाजी रिश्ते कायम करते हुए देशहित को सामने रखना होगा। राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना होगा।

खुले परिषदीय स्कूल, बच्चों का हुआ स्वागत

संवाददाता–बस्ती। ग्रीष्मावकाश के बाद शुक्रवार को पहले दिन बच्चों के विद्यालय आने से परिषदीय स्कूलों में उत्सव का माहौल रहा। स्कूलों को सजाया गया साथ ही बच्चों का रोली टीका लगाकर स्वागत किया गया।

हरैया विकासखण्ड के परिषदीय विद्यालयों में रोली–चंदन लगाकर बच्चों का स्वागत किया गया। इस दौरान पूरे स्कूल के साथ कमरों को गुब्बारों, झालरों व फूलों से सजाया गया। बच्चों का खीर हलवा आदि से मुंह मीठा कराया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी हरैया बड़कऊ वर्मा स्वयं प्राथमिक विद्यालय हरैया प्रथम पर पहुंचकर एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह और प्रधानाध्यापिका निरुपमा तिवारी के साथ बच्चों का स्वागत किए तथा संविलियन विद्यालय उभाई में प्रधानाध्यापक विद्यासागर वर्मा और प्रमोद त्रिपाठी की अगुवाई में बच्चों का स्वागत किया गया। प्राथमिक विद्यालय गोभिया में प्रधानाध्यापिका नीलम सिंह और अनुराधा मिश्रा द्वारा बच्चों का स्वागत किया गया तो वहीं प्राथमिक विद्यालय पूरेबेचू में प्रधानाध्यापक नईमुद्दीन, शिक्षक विवेक कान्त पाण्डेय आदि द्वारा नव निर्मित किचेन शेड में बच्चों को खीर खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पहले दो दिन समरकैंप लगाए जायेंगे। विद्यालय स्तर पर ही दो घंटे का कैंप लगाकर छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षक घर–घर जाकर अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करेंगे।

दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 की छत गिरी, सभी उड़ानें रद्द, एक की मौत, 6 घायल

नई दिल्ली (आभा)। राजधानी दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर आज सुबह बड़ा हादसा हो गया। एयरपोर्ट के टर्मिनल–1 पर बारिश की वजह से छत गिरने से वहां मौजूद कई कारें दब गईं। हादसे में छह लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि एक शख्स की मौत हो गई है। मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची है।

रेस्क्यू का काम शुरू कर दिया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल 1 से सभी उड़ानों को निलंबित कर दिया गया है और चेक–इन काउंटर बंद कर दिए गए हैं।

जिला कारागार का औचक निरीक्षण

संवाददाता–बस्ती। जनपद न्यायाधीश कुलदीप सक्सेना, जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में स्थापित किशोर बैरक का मुआयना किया गया तत्पश्चात महिला बैरक, चिकित्सालय एवं पाकसाला का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाकसाला व चिकित्सालय साफ सुथरा पाया गया। उन्होने चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से पूछताछ किया तथा कहा कि किसी को कोई समस्या है, तो मरीजों द्वारा बताया गया कि कोई समस्या नही है और भर्ती मरीजों को दवाइयां समय से दे दी जाती है।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष राय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्रभारी सचिव अमित मिश्रा, अधीक्षिका जिला कारागार अंकेच्छिता श्रीवास्तव, जेलर, डिप्टी जेलर एवं जेल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

क्षय रोग उन्मूलन के लिये सामुदायिक, राजनैतिक भागीदारी जरूरी

संवाददाता–बस्ती। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हरैया के सभागार में टीबी मुक्त पंचायत हेतु सीएचओ और एएनएम की संयुक्त प्रशिक्षण का आयोजन अधीक्षक डा बृजेश कुमार शुक्ल के अध्यक्षता में किया गया।

डा बृजेश ने कहा कि टीबी का बैक्टीरिया ज्यादेतर मामलों में फेंफड़ों को प्रभावित करता है। पंद्रह दिन से अधिक खांसी, सीने में दर्द, बलगम, वजन कम होना, बुखार आना और रात में पसीना आना, बलगम के साथ खून आना टीबी के लक्षण है। इन लक्षणों में से कोई भी लक्षण है तो इसे नजर अंदाज मत करें। जांच तुरंत करायें। आज के समय में टीबी पूर्णतया ठीक हो रही है।

एमओटीसी डा नंदलाल यादव ने कहा कि टीबी के रोगी को नियमित टीबी की दवाओं का सेवन करते रहना चाहिए। रोगी को 6 माह तक इलाज पूर्ण करने पर निक्षय पोषण योजना के जरिए 1500 रुपये पहले शुरुआती और 1500 रुपये ईलाज पूर्ण करने तक पोषण के लिए दी जा रही है, इसके साथ ही टीबी मरीजों को पहचान करने वालों को भी 500 रुपये दिया जा रहा है।

प्रशिक्षक जिला कार्यक्रम समन्वयक अखिलेश चतुर्वेदी ने कहा की वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत हेतु पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित कराए जाने की आवश्यकता है जिसके लिए ग्राम स्तर पर टीबी के लक्षणों वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके बलगम का जांच कराते हुए ग्राम स्तर के सभी क्षय रोगियों को गण मान्य व्यक्तियों के माध्यम से गोद दिलवाया जाए जिससे क्षय रोगियों को पोषण में सहयोग किया जा सके।

वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि सभी सीएचओ, एएनएम अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें। अपने क्षेत्र के प्रत्येक आशा से कम से कम 5 जाँच अवश्य कराएं। आप सभी अपने क्षेत्र के मरीज के सम्पर्क में रहने वाले एवं पास पड़ोस में रहने वाले सभी व्यक्तियों की जांच अवश्य कराएं। क्षय रोग उन्मूलन हेतु सामुदायिक और राजनैतिक भागीदारी बेहद अहम हैं। वरिष्ठ टीबी प्रयोगशाला पर्यवेक्षक संजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि टीबी इलाज में सबसे पहले मरीज की हिस्ट्री लेते हुए यह पता किया जाता है कि मरीज किसी संक्रमण के सम्पर्क में था या नही फिर बीमारी की पुष्टि के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट किया जाता है। टीबी मरीज के खांसी के नमूने का प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है, फेफड़े में टीबी के लक्षण की जांच के लिए छाती का एक्स रे किया जाता है। प्रति हजार जनसंख्या पर सभी सीएचओ एएनएम को कम से कम 30 जाँच कराना ही कराना है।

इस दौरान शशिकला, सविता पाण्डेय, बिंदुबाला, संगीता पाण्डेय, प्रीती पाण्डेय, सुचेता सिंह, निधि, सरिता तिवारी, सुमन पाल, निधि शुक्ला, पूनम पाल, कुमारी शीला, प्रियंका द्विवेदी, कल्पना मौर्या, प्रीती, अनीता चौधरी, पूजा वर्मा, कबिता गौतम, प्रीती यादव, शिवांक, इन्द्रा राई, पाखी, सुप्रिया, रवि सोनकर, विजय पाल, प्रवीण पाण्डेय, सुनील वर्मा, बब्ली भारती, प्रियंका यादव, अंजली सिंह, पुन्नी लाल, उदय प्रताप शुक्ला, मृगेन्द्र पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व ग्राम प्रधान पर जबरिया खेत जोत लेने का आरोपः लगाया न्याय की गुहार

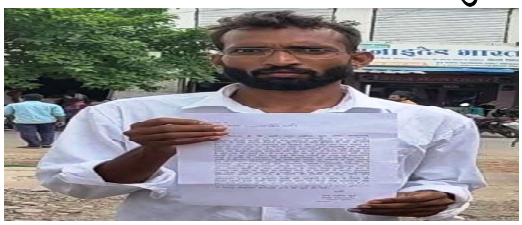

संवाददाता–बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के मझौवा खुर्द निवासी विजय सिंह वर्मा ने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक समेत अन्य सम्बंधित अधिकारियों को पत्र देकर न्याय की गुहार लगाया है। भेजे पत्र में विजय सिंह वर्मा ने कहा है कि उनके पट्टीदार जुग्गीलाल वर्मा पुत्र सन्तराम चौधरी लम्बे समय तक ग्राम प्रधान थे। जुग्गीलाल वर्मा का स्थानीय पुलिस से अच्छा सम्बन्ध है और पुलिस की सह पर वे उसके घर के पिछवाड़े की जमीन को कब्जा कर लेना चाहते हैं। मना करने पर जुग्गीलाल वर्मा, उनके पुत्र आशुतोष वर्मा, प्रियंका वर्मा, मनीष वर्मा आदि विजय सिंह वर्मा और उनके परिवार को भद्दी–भद्दी गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी देते हैं। जुग्गीलाल वर्मा कहते हैं कि वे पूर्व ग्राम प्रधान रहे हैं, पुलिस प्रशासन उनके साथ है, तुम लोग मेरा कुछ नहीं बिगाड पाओगे।

मझौवा खुर्द निवासी विजय सिंह वर्मा ने पत्र में कहा है कि गत 14 जून को उसने इस मामले में एक प्रार्थना पत्र दिया था। 22 जून को दिन में लगभग 12 बजे जुग्गीलाल वर्मा पुत्र सन्तराम चौधरी, रामभवन चौधरी पुत्र रामराज, रंजेश पुत्र रामभवन चौधरी, संदीप, पंकज आदि ने इसी रंजिश को लेकर उसके खेत को ट्रैक्टर से जोत लिया। खेत में एक माह के ढैचा की फसल लगी थी, उसका काफी नुकसान कर दिया। मना करने पर बरामदे में घुसकर गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी दी। थाने पर सूचना देने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं किया। विजय सिंह वर्मा ने मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराने के साथ ही अने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने डीएम से शिष्टाचार भेंट कर किया स्वागत

संवाददाता–बस्ती। शुक्रवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के एक प्रतिनिधि मण्डल ने नवागत जिलाधिकारी रवीश गुप्ता से कलेक्ट्रेट कार्यालय के उनके कक्ष में शिष्टाचार भेंट कर गुलदस्ता औरं स्वागत पत्र देकर स्वागत किया। जिलाधिकारी ने भी कर्मचारियों से सहयोग की अपेक्षा की।

प्रतिनिधिमण्डल में राज्यकर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष मस्तरामवर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल, जिलामंत्री तौलूप्रसाद, कोषागार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अखिलेश पाठक,ग्राम्य विकास अधिकारी संघ के अध्यक्ष अमरनाथ गौतम, डिप्लोमा इ0जी0 महासंघ के अध्यक्ष इ0 अभिषेक सिंह,पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय आर्य,ग्राम्य पंचायत अधिकारी संघ के अध्यक्ष अरूणेसपाल,दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अशोक सिंह,ग्राम्य विकास अधिकारी संघ के मण्डल अध्यक्ष राकेश पाण्डेय,ग्राम्य विकास मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन अध्यक्ष मुकेश सोनकर, लघु सिचाई एसोसिएशन के अध्यक्ष सुबास पाण्डेय, ब्लाकअध्यक्ष साऊंघाट लालजी कन्नौजिया, राहुल श्रीवास्तव, कुसुमलतासिंह, पेशकार, ऋतुराज पाण्डेय,चन्द्र प्रकाश,हरीराम पाण्डेय सहित कई कर्मचारी, संगठनों के पदाधिकारी शामिल रहें।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

संवाददाता–देवरिया। देवरिया जिले के भटनी क्षेत्र के चांदपार गांव के समीप कोइलार नाले के पास शुक्रवार सुबह पेड़ से लटका एक युवक का शव मिला। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को फंदे से उतारा तो युवक की पहचान चांदपार गांव निवासी के रूप में हुई। जांच में युवक का ढाई महीने पहले पड़ोस गांव के एक युवती से प्रेम विवाह करने का मामला सामने आया है। प्रेम विवाह से ससुराल पक्ष के लोग खुश नही थे और इसको लेकर अक्सर विवाद होता था। बुधवार को विवाद से परेशान पत्नी भी मायके चली गई। युवक नाराज पत्नी को मनाने गुरुवार शाम ससुराल गया था। हादसे के बाद युवक के परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी है। शिकायत पर पुलिस मामले में दो लोगों को हिरासत में पूछताछ कर रही है। भटनी थाना क्षेत्र के चांदपार गांव निवासी शराफत अली (23) पुत्र निक मोहम्मद गांवों में फेरी लगाकर आइसक्रीम बेचता था। इसी दौरान करीब एक साल पूर्व खुखुन्दू थाना क्षेत्र के बहोरवा मिश्र गांव निवासी एक युवती से उसको प्रेम हो गया। परिजनों से बचकर दोनों छुप कर मिलने लगे। प्रेम परवाह चढ़ा तो दोनों एक साथ जीने–मरने की कसमें खाकर शादी करने पर अड़ गए। हालांकि युवती के घर वाले शादी कराने को तैयार नही हुए, लेकिन युवती के जिद के आगे विवश होकर इस पर उन्होंने सहमति जता दी। इसके बाद अप्रैल महीने में शराफत और जरीना की शादी धूमधाम से हुई। लोगों ने बताया कि शादी के एक महीने बाद पति–पत्नी में विवाद होने लगा। इसको लेकर मायके और ससुराल पक्ष के लोगों में कई बार पंचायत हुई। इससे तंग आकर जरीना बुधवार को मायके चली गई। बृहस्पतिवार शाम गलती का एहसास होने पर शराफत पत्नी को मनाने बहोरवा मिश्र चला गया। अगले दिन सुबह शुक्रवार को चांदपार गांव के पास पेड़ की डाली में फंदे से झूलता उसका शव मिला। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि चांदपार गांव के पास पेड़ से लटका युवक का शव मिला है। शरीर पर कोई चोट का निशान नही है। जिससे आत्महत्या के कयास लगाए जा रहे है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद ही स्थिति समझ में आएगी। इसके अलावा परिजनों ने युवक के ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। शक के आधार पर दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सड़क बनवा रहे ग्राम प्रधान से मारपीट, चली गोली दो घायल

संवाददाता–देवरिया। सड़क बनवा रहे ग्राम प्रधान को गांव के ही कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। उसी दौरान पूछताछ करने पहुंचे ग्राम प्रधान के बड़े भाई पर आरोपियों ने गोली चला दी। इस घटना में ग्राम प्रधान समेत उनके बड़े भाई घायल हैं। गोली ग्राम प्रधान के भाई के हाथ में लगी है। घटना शुक्रवार की सुबह श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के गोबरही उर्फ बासदेवपुर के टोला गौतमा की है। श्रीरामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गोबरही उर्फ बासदेवपुर के टोला गौतमा के ग्राम प्रधान राजकुमार सिंह कुशवाहा (50) शुक्रवार की सुबह करीब दस बजे ग्राम सभा के यादव टोला पर सड़क निर्माण का कार्य करवा रहे थे। जहां गांव के रामबली यादव पहुंच गए और प्रधान से पूर्व की रंजिश के मामलें को लेकर को लेकर बात करने लगे। इसी बीच रामबली यादव के परिवार के भी कुछ लोग पहुंच गए और बाताकहीं करने लगे थोड़ी ही देर में मामला मारपीट में तब्दील हो गई। आरोपियों ने ग्राम प्रधान को मारपीट कर लहूलुहान कर दिया। घटना की जानकारी होने पर ग्राम प्रधान के बड़े भाई रामकृपाल सिंह कुशवाहा (58) वर्ष पुत्र सरजू भगत घटना की जानकारी लेने आरोपियों के दरवाजे पर पहुंचे। जहां आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। ईंट पत्थर चलाने लगी। आरोप है कि आरोपियों ने लाइसेंसी बंदूक से चार राउंड फायर किया जिसमें गोली लगने से ग्राम प्रधान राजकुमार के भाई रामकृपाल सिंह कुशवाहा घायल हो गए। गोली उनके बाया हाथ में लगी है। दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटा भेजा गया। घटना की जानकारी मिलने पर सीओ एसपी सिंह व थाना अध्यक्ष कल्याण सिंह सागर पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घटना के बारे में जानकारी ली है। बताया जाता है कि दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर विवाद चल आ रहा था इसी विवाद को लेकर आज दोनों पक्षों में बवाल हो गया।

क्षेत्राधिकार एसपी सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचा हूं। मामले की जांच की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पुजारी महंत सत्येंद्र दास के समर्थन में उतरे महंत शिवनारायण दास त्यागी

संवाददाता–अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य अर्चक पुजारी महंत सत्येंद्र दास महाराज के समर्थन में उतारे अयोध्या श्री बालक भगवान राम लला मंदिर व श्री रमरमा बाबा सनातनी सेवा ट्रस्ट आश्रम के अध्यक्ष महंत शिवनारायण दास त्यागी महाराज ने प्रेस से मुखातिब कहा की श्री राम जन्मभूमि के पुजारी महंत सत्येंद्र दास महाराज आज से नहीं राममंदिर की पूजा कर रहे है जब भगवान टेंट में थे तब भी उन्होंने भगवान के ऊपर टपकते हुए पानी को देखा था और आज जब करोड़ सनातनियों के करोड़ों रुपए से मंदिर का निर्माण हो रहा है तब भी पानी टपकते हुए देखा और कुछ तथा कथित नेता उनके ऊपर सवाल उठा रहे हैं जो हमारे आदर्श हैं हम सब उनसे शिक्षा लेते हैं की संघर्ष कल में भी उन्होंने श्री राम लला की पूजा अर्चना करते रहे आज उनके ऊपर जो लोग सवाल उठा रहे हैं मैं उनकी

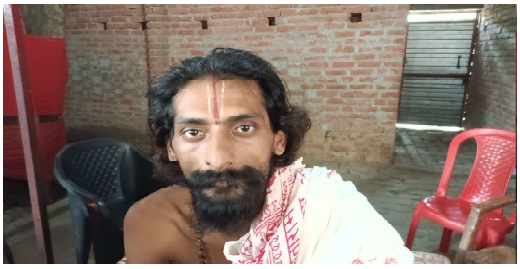

निंदा करता हूं और कहता हूं सरकार कार्रवाई करें।

उन्होंने कहा कि वर्तमान देखा जाता है और मुख्य पुजारी जी प्रतिदिन मंदिर जाते हैं इस अवस्था में ऐसे में उनका अपमान या उनके बातों को खंडन करना संत समाजका अपमान है, जो नेता अयोध्या के बाहर बैठकर अनर्गल बातें कर रहे हैं क्या हुआ अयोध्या मंदिर में आकर के मंदिर की व्यवस्था को देखा है। उन्होंने कहा बातें करना आसान है किसी के ऊपर आरोप लगाना आसान है लेकिन कार्य करके दिखाना आसान नहीं है हमारे पुजारी जी ने किया है तो कहने का भी अधिकार है और करोड़ों सनातनियों को सच्चाई जानने का अधिकार है इसलिए जो लोग भी पुजारी जी का अपमान कर रहे हैं हम संत समाज से आग्रह करेंगे कि वह इस बात को बर्दाश्त ना करें, पुजारी जी का अपमान हम संतों का अपमान है।

मैत्री-संबंध नही भाव दशा का नाम है -आचार्य राधेश्याम शास्त्री

संवाददाता–अयोध्या। मैत्री संबंध नहीं, भाव दशा का नाम है उक्त बातें मणिरामदास छावनी की सेवा ट्रस्ट के पागल बाबा हाल में चल रहे सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत के समापन सत्र में आचार्य राधेश्याम शास्त्री जी महाराज ने कही, श्रीमद् भागवत कथा में महाराज जी ने सुदामा चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि श्री कृष्ण के लिए तीनों लोक का साम्राज्य देना बडा॰ काम नही है,लेकिन सुदामा के लिए तीन मुट्ठी चावल देना कठिन था, इसमें अगर दान दिया है तो सुदामा ने ही दिया है। इसमें दान कृष्ण का नहीं है। लेकिन आमतौर से हमें यही दिखाई पड़ता है कि दान कृष्ण ने दिया है। सुदामा क्या लाया था, तीन मुट्ठी चावल और फटे कपड़े में बांधकर।लेकिन हमें पता नहीं कि सुदामा कितनी दीनता में जी रहा था। उसके लिए एक दाना भी जुटाना और लाना बड़ा कठिन था और कृष्ण के लिए तीन लोक का साम्राज्य देना भी कठिन नहीं था। इसलिए कोई कृष्ण ने सुदामा पर उपकार कर दिया हो, इस भूल में कोई न रहे। कृष्ण ने सिर्फ ैरिसपांस उत्तर दिया है और उत्तर बहुत बड़ा नहीं है। बड़े–से–बड़ा जो हो सकता था, उतना है। महराज जी ने बताया कि इसलिए तीन लोक के साम्राज्य की बात कही। बड़ी–से–बड़ी जो कल्पना है कवि की, वह यह है कि तीन लोक हैं और तीनों लोक का साम्राज्य है। लेकिन एक गरीब हृदय के पास, जिसके पास कुछ भी नहीं है, तीन चावल के दाने भी नहीं हैं, वह तीन मुट्ठी चावल ले आया है, उसे हम कब समझ पाएंगे।देने भी किसको गया है! कृष्ण को देने गया है, जिनके पास सब कुछ है। लेकिन प्रेम यह नहीं देखता कि आपके पास कितना है। आपके पास कितना ही हो तो भी प्रेम देता है। प्रेम यह मान ही नहीं सकता कि आपके पास पर्याप्त है।

कथा विश्राम के बाद मुख्य यजमान विनोद कुमार सिन्हा, मदन कुमार सिन्हा, मिथिलेश कुमार सिन्हा विमलेश कुमार सिन्हा अनूप कुमार सिन्हा ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया यह समस्त परिवार गोमो धनवान झारखण्ड से अयोध्या धाम में पधारे हुए है।

अयोध्या में हुई सनातन धर्म परिषद महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

संवाददाता–अयोध्या। श्रीधाम अयोध्या के सोना देवी मार्ग पर स्थित बालाजी सेवा ट्रस्ट आश्रम में सनातन धर्म परिषद महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष साध्वी प्रतिभा की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें देश के कोने–कोने से आए हुए संस्था के सदस्य एवं पदाधिकारी सम्मिलित हुए। बैठकको संबोधित करते साध्वी प्रतिभा ने कहा कि महिलाओं बच्चियों को सशक्त बनाने के लिए सनातन धर्म परिषद कार्य कर रहा है महिला प्रकोष्ठ शक्तिवहिनी के द्वारा बच्चियों से लेकर महिलाओं को जिसमें कोई उम्र सीमा नहीं सभी प्रकार से प्रशिक्षित किया जाएगा जिससे वह समाज के अग्रिम पंक्ति में खड़ी हो। परिषद बिना भेदभाव के बिना जाति ध र्म जाने भारत के विश्व के कई देश में कार्य कर रहा संगठन पूर्ण रूप से महिलाओं को सशक्त करेगा। बालाजी सेवा ट्रस्ट अयोध्या के मंडल अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने कहा कि वर्तमान समय में हमारे बच्चियों के ऊपर बहुत प्रकार से आघात हो रहे हैं उनको संरक्षित करना हमारा कार्य है निश्चित ही यह संगठन अपने उद्देश्य में सफल होगा। मुख्यातिथि परिषद के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी अवधविहारी दास परिषद का उद्देश्य सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार संरक्षण है अयोध्या में महिला प्रकोष्ठ का उद्देश्य मात्र एक है की महिलाओं को सनातन धर्म से और उनका स्वयं से लड़ने को तैयार करना है। राष्ट्रीय सचिव अमर बहादुर तिवारी ने कहा कि अखंड भारत में महिलाओं को सशक्त करना ही महिला प्रकोष्ठ का दायित्व है जिस पर कार्य किया ज रहा है । परिषद के मुख्य समन्वयक मुख्य वक्ता कृष्ण गोपाल दास ने कहा कि परिषद का उद्देश्य सनातन संस्कृति के विकास के लिए संकल्प पूर्ण कार्य करना है। महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय सचिव किशोरी सिद्धि त्रिपाठी ने कहा कि नारी माता के साथ दुर्गा का भी रोल निभाती है लेकिन कभी–कभी वह भी कलनेमियो के झांसे में आ जाती है महिला प्रकोष्ठ अपने अन्य अनुषांगिक संगठनों के साथ सशक्त करेगा और प्रशिक्षित कर लड़ने के लिए तैयार करेगा। बिंदेश्वरी कनौजिया ने कहा कि सनातन धर्म की क्या पहचान मानव मानव एक समान के उद्देश्य से हमारा परिषद कार्य कर रहा है और निश्चित ही हम सब एक होकर के सनातन की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे। बैठक में दर्जनों की संख्या में महिलाएं एवं पदाधिकारी उपस्थिते रहे।

अवधेश प्रसाद के बेटे को मिल्कीपुर से उप चुनाव में उतार सकती है सपा

संवाददाता–अयोध्या । अखिलेश यादव केंद्र की सियासत के साथ यूपी में भी पूरा फोकस किए हुए हैं। अब उनकी निगाह 10 सीटों पर निकट भविष्य में होने वाले विधानसभा उपचुनावों पर है। इंडिया गठबंधन के जरिए वह सभी सीटों पर चुनाव जीतने की कोशिश में हैं और इस बार भी पीडीए उनका ट्रंप कार्ड होगा।

सूत्रों के मुताबिक, पार्टी मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को मैदान में उतार सकती है। कटेहरी सीट से लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा पर भी पार्टी दांव लगा सकती है। लालजी वर्मा इस सीट से विधायक चुने जाते रहे हैं और अब अम्बेडकरनगर से सांसद हो गए हैं। सपा अमर नाथ मौर्य को फूलपुर विधानसभा सीट से प्रत्याशी बना सकती है। मौर्य ने हाल में फूलपुर लोकसभा सीट पर सपा प्रत्याशी के तौर पर मजबूती से चुनाव लड़ा और काफी कम वोटों के अंतर से भाजपा के प्रवीण पटेल से हारे थे। अखिलेश यादव ने जिस करहल विधानसभा सीट से इस्तीफा दिया है। वहां तेज प्रताप यादव को मौका मिल सकता है। तेज प्रताप मुलायम सिंह यादव के पौत्र हैं और मैनपुरी से सांसद रह चुके हैं। करहल सीट मैनपुरी लोकसभा में आती है। कानपुर की सीसामऊ से इरफान सोलंकी की विधायकी चली गई है। यहां सपा के कई नेता दावेदार हैं।

इन सीटों पर होना है उपचुनाव

करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ–इन दस सीटों पर चुनाव होना है। विधानसभा इन सीटों को रिक्त घोषित कर चुकी है। वर्ष 2022 के विधासभा चुनाव के हिसाब से देखें तो सपा करहल, मिल्कीपुर, कटेहरी, कुंदरकी व सीसामऊ जीती थी जबकि भाजपा ने गाजियाबाद, खैर, फूलपुर सीट पर कब्जा किया था।

मझवां सीट निषाद पार्टी ने तो मीरापुर सीट रालोद ने जीती थी यानी इन सीटों पर 2022 में एनडीए व इंडिया गठबंधन दोनों पांच–पांच सीटें जीते थे।

सपा कांग्रेस का गठबंधन इस वक्त ठीक चल रहा है और दोनों दल अगला विधानसभा चुनाव मिल कर लड़ने की बात भी कर रहे हैं। ऐसे में सपा–कांग्रेस को भाजपा की जीती सीटों में दो से तीन सीटें दे सकती है। इसमें गाजियाबाद भी शामिल है। अभी हाल में लोकसभा के साथ हुए विधानसभा उपचुनाव में भी सपा ने कांग्रेस को लखनऊ पूर्व सीट दी थी। हालांकि यहां भाजपा जीती।

जमुनहा में अजय कुमार और इकौना में पवन कुमार बने अध्यक्ष

संवाददाता–श्रावस्ती। तहसील अधिवक्ता संघ जमुनहा और इकौना का शुक्रवार को चुनाव कराया गया। जिसमें जमुनहा में अजय कुमार पाण्डेय तथा इकौना में पवन कुमार मिश्र को अध्यक्ष चुना गया। चुनाव जीते प्रत्याशियों का फूल माला से स्वागत किया गया।

जमुनहा तहसील अध्यक्ष पद के लिए अजय कुमार पांडेय को 46 मत मिले जबकि आरएन सिंह को 37 तथा शुभकरन शर्मा को छह वोट मिले। इससे अजय कुमार पांडेय को नौ मत से निर्वाचित घोषित किया गया। इसी तरह से महामंत्री पद के लिए हरीश कुमार यादव को 45 मत मिले व गुरुदयाल भार्गव को 44 मत मिले। इस आधार पर हरीश कुमार यादव को महामंत्री चुना गया। जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कमलेश कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष पद पर बड़े लाल यादव, प्रकाशन मंत्री पद पर अरबिंद कुमार यादव और आडिटर पद पर धर्मेन्द्र कुमार यादव को निर्विरोध निर्वाचित किया गया।

वहीं तहसील अधिवक्ता संघ इकौना में भी शुक्रवार को मतदान कराया गया। जिसमें 139 मत में 137 मत पड़े। अध्यक्ष पद पर पवन कुमार मिश्रा को 104 मत मिले और विजय श्रीवास्तव को 31 मत मिले। जिसमें पवन कुमार को 73 मत से विजयी घोषित किया गया। इसी प्रकार से महामंत्री पद के लिए श्याम सुंदर मिश्रा को 38 मत और श्रीधर द्विवेदी को 97 मत मिले। जिसमें श्रीधर द्विवेदी को 59 मतों से विजयी घोषित किया गया। मतगणना के बाद अधिवक्ता संघ ने अध्यक्ष पद के निर्वाचित प्रत्याशी व महामंत्री को फूल माला पहनकर स्वागत किया। इस मौके पर दिलीप शर्मा, संजय सिंह, राम कुमार शुक्ला, राजेंद्र मिश्रा, विजय पांडेय ,ओमप्रकाश द्विवेदी, भरत लाल मिश्रा,सोनू शुक्ला, विनोद कुमार यादव, राजू सिंह, राकेश पांडेय, रामदयाल पाठक, गौरव शर्मा, शब्बीर आलम नईमी, हुकुमचंद त्रिपाठी,उदय राज पांडेय आदि मौजूद रहे।

संचारी रोगों पर नियंत्रण सर्वोच्च प्राथमिकता–रवीश

संवाददाता–बस्ती । संचारी रोगो तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सही उपचार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित द्वितीय जनपद स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा। इसके सफल आयोजन के लिए 12 विभागों को जिम्मेदारी दी गयी है। उन्होने कहा कि 01 जुलाई को जिला चिकित्सालय से संचारी वाहन जागरूकता रैली निकाली जायेंगी। संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तक तथा दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई 2024 तक संचालित किया जाएगा।

उन्होने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग इस अभियान का नोडल विभाग है, जो जनपद, तहसील, ब्लाक एवं ग्राम स्तर पर विभागीय अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करके अभियान संचालित करें। अभियान के दौरान बुखार, इन्फ्लुएन्जा लाइक इलनेश (आईएलआई), क्षय रोग तथा कुपोषित बच्चों के प्राप्त सूची के अनुसार चिन्हित कर रोगियों का उपचार भी करायें।

उन्होने अभियान से संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्धारित उत्तरदायित्व के अनुपालन में शिथिलता ना बरती जाय। उन्होने कहा कि नगर पालिका एवं नगर पंचायते मोहल्ला निगरानी समितियों के माध्यम से संचारी रोगो के साथ–साथ शुद्ध पेयजल, स्वच्छता, खुले में शौच न करना तथा मच्छरों के रोक–थाम के लिए जागरूकता के लिए कार्य करें। उन्होने कहा कि वी0एच0एस0एन0सी0 के माध्यम से संचारी रोगो तथा दिमागी बुखार के रोकथाम के लिए सघन प्रचार–प्रसार कराया जाय। खराब इण्डिया मार्क टू हैण्डपम्प ठीक करा लिया जाय, जलाशय एवं नालियों की सफाई करा ली जाय, झाड़ियों की काट–छाट करा लिया जाय तथा मैलाथियान से फॉगिग करायी जाय। गॉव में कूडेदान की व्यवस्था भी करायी जाय। उन्होने कहा कि उद्यान विभाग मच्छररोधी पौधे लगाये। सूचना विभाग सभी गतिविधियों का जनमानस में व्यापक प्रचार–प्रसार कराये। बैठक का संचालन करते हुए जिला मलेरिया अधिकारी आइ. ए. अंसारी ने बताया कि संबधित विभागो द्वारा अपनी माइक्रोप्लान उपलब्ध करा दी गयी है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस, सीएमओ डॉ. आर.एस. दुबे, एसीएमओ, डीडीओ अजय सिंह, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, समस्त बीडीओ, एमओआईसी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

तराई में खतरे में है खेती, किसान परेशान

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। आषाढ़ झमाझम बारिश का महीना माना जाता है पर प्रथम सप्ताह बीतने के बाद भी तराई में अभी तक ऐसी जोरदार बारिश नहीं हुई जिससे लगे कि मानसून सक्रिय हो गया है। अलबत्ता लोगों को तेज धूप व प्रचंड उमस का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कई दिनों से लोग तराई में भीषण गर्मी की चपेट में है। एक ओर जहां मौसम की मार से लोग जूझ रहे है वहीं बारिश न होने से खरीफ की प्रमुख धान की रोपाई भी पिछड़ रही है। किसानों का कहना है कि शुरू में धान की नर्सरी डाल दी थी अब उसकी रोपाई नहीं हो पाने से बेहन भी खराब हो रहे हैं। प्रकृति तो किसानों को धोखा दे ही रही है। धरातल पर सिंचाई के लिए इजाद किए गए नहरें व नलकूप भी दगा दे रहे हैं। इलाके से होकर गुजरी अधिकांश नहरें सूखी हुई तो नलकूप भी खस्ताहाली में पड़े हुए है। ऐसे में पंपसेट मशीन से पानी निकाल कर धान की रोपाई करना व बेहन बचाना किसानों पर भारी पड़ रहा है। बारिश को लेकर किसान खासे चिन्तित है, प्रकृति उनका साथ नहीं दे रही है। अगर हालत ऐसे ही रहे तो खरीफ के उत्पादन पर इसका सीधा असर पड़ेगा। किसान इसको लेकर हैरान और परेशान हैं। राज्य कृषि मौसम केंद्र के प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सिद्धार्थनगर जिले में अभी तक औसत से कम बारिश हुई है। एक जून से 26 जून तक 131.1 मिमी बारिश होनी चाहिए थी। अभी तक सिर्फ 79.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है जो औसत से 51.6 मिमी कम है।

किसानों का कहना है कि मौसम की तल्खी की वजह से इस बार धान के बेहन को बचाने के लिए मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। धान के बेहन में हर तीसरे दिन पानी चलाना पड़ा। एक बीघा बेहन में औसत पांच घंटे पानी लगते थे। निजी पंपसेट मशीन से पानी चलाने में लगभग पांच सौ रुपये खर्च आ रहे थे। किराए पर पानी चलवाने वाले किसानों को दोगुना खर्चा आ रहा था। फिलहाल दो–तीन दिनों से बूंदाबांदी व रिमझिम बारिश से किसानों को कुछ राहत मिली है।

बारिश नहीं होने से खेतों की नमी गायब थी। खेतों की जुताई नहीं कर पा रहे थे। पिछले दिनों हुई हल्की बारिश के बाद खेत में नमी आने पर अब खेत की जुताई कर रहे। वहीं जिन किसानों के बेहन तैयार हो गए है। वह खेत की जुताई के बाद धान की रोपाई भी कर रहे है। हालांकि मौसम की बेरुखी की वजह से धान की रोपाई अभी रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है। तराई में भीषण गर्मी का असर आम के फसल पर भी पड़ा है। आम का आकार छोटा होने के साथ स्वाद भी अपेक्षाकृत कम हो गया है।तीखी धूप और गर्मी के बीच बारिश नहीं होने से फलों में मिठास भी कम है। स्वाद अपेक्षाकृत कम है। आकार छोटा होने से उत्पादन कम हो गया है।

किसानों को कराना होगा फार्मर रजिस्ट्री

संवाददाता–बस्ती । भारत सरकार द्वारा विकसित मोबाइल ऐप एवं वेब पोर्टल के माध्यम से डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने बताया कि अभिलेखों के डायनेमिक लिंकिंग के साथ किसानों का डेटाबेस (फार्मर रजिस्ट्री) में 12 बिन्दुओं यथा किसान का नाम, पिता का नाम, मोबाइल नम्बर, आधार संख्या का अतिम 04 डिजिट, सहमति का विवरण, राजस्व ग्राम का नाम, तहसील, जनपद, खसरा एवं गाटा संख्या क्षेत्रफल, अंश निर्धारण एवं पी.एम. किसान स्टेटस आदि सूचना संकलित की जायेगी।

उन्होने बताया कि लेखपाल एवं कृषि तकनीकी सहायक, ए.टी.एम., बी.टी.एम. एवं अन्य विभागों के कार्मिक के 02 सदस्यों की संयुक्त टीम द्वारा राजस्व ग्रामवार कैंप मोड में 01 जुलाई से 31 जुलाई तक फार्म रजिस्ट्री तैयार किया जायेगा, जिसमें आधार ई–के वाई.सी. एवं मोबाइल संख्या का ओ.टी.पी. बेस्ड सत्यापन कर सहमति प्राप्त की जायेगी। लेखपाल द्वारा वेब पोर्टल पर प्रदर्शित किसान के भू–लेख विवरण (खसस एवं गाटा सख्या, क्षेत्रफल, अश निर्धारण) का सत्यापन किया जायेगा। स्वीकृति के उपरान्त फार्मर रजिस्ट्री अपडेट हो जायेगी एवं कृषक को मोबाइल संदेश द्वारा फार्मर आई. डी. नम्बर के साथ सूचित किया जायेगा।

संतकबीरनगर में 29 लाख 15 हजार 240 पौधे रोपित करने की योजना

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में इस वर्ष पौधरोपण अभियान का लक्ष्य पूरा करने के लिए हर विभाग अभी से तैयारी कर रहा है। इस वर्ष जनपद में 29 लाख 15 हजार 240 पौधे रोपित किए जाएंगे। इन पौधों के सापेक्ष वन विभाग ने 40 लाख से अधिक पौधों अपनी पौधशालाओं में तैयार कर लिया है। हालांकि अभी पौधरोपण अभियान करने की तिथि तो निर्धारित नहीं की गई है। लेकिनहर विभाग अभी से ही पौधों को लगाने के लिए गड्ढे की खुदाई करवा रहा है।

अभियान का सबसे बड़ा लक्ष्य वन विभाग के ही जिम्मे है। वन विभाग ने सभी विभागों की तुलना में सबसे अधिक गड्ढों की खुदाई करवाया है। बाकी विभाग भी पौधों को लगने के लिए गड्ढे खोद रहे हैं। पौधरोपण अधियान शुरू होने के तिथि निर्धारित होने के बाद जहां पौधों को लगाया जाएगा वहां की जियो टैगिंग कराई जाएगी। इससे यह पता लग सकेगा कि क्या पौधों को वास्तव में लगाया गया है। यदि दोबारा वहीं पर पौधों को लगाया जाय तो जीपीएस के द्वारा यह बताया जाएगा कि यहां पर एक बार पौधे लग चुके हैं। जहां पर पौधों को लगाया जाएगा वहां पर जानवरों से सुरक्षा के प्रबंध किए जाएंगे। जिले में वन विभाग के पास है कुल 21 नर्सरी हैं।

इन दिनों वन विभाग के पौधशालाओं में 40 लाख पौधे तैयार किये जा चुके हैं। इस बार ग्राम्य विकास विभाग के द्वारा भी ग्राम पंचायतों में गड्ढे खोदने का कार्य किया जा रहा है। जिला वन अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने कहा कि जिले में पौधरोपण अभियान की तैयारी की पूरी हो चुकी है। कुल 40 लाख पौधे तैयार किए गए हैं। शासन से तिथि का निर्धारण होते ही विभागों की मांग के अनुसार पौधे आवंटित किए जाएंगे

आपातकाल के जिक्र से स्पीकर पर भड़की कांग्रेस, राष्ट्रपति से भी खफा

नई दिल्ली (आभा)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का 18वीं लोकसभा के पहले सत्र में इमरजेंसी का जिक्र करना और उसे काला दिन बताना कांग्रेस को रास नहीं आया है। कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष द्वारा किए गए इमरजेंसी के संदर्भ पर औपचारिक आपत्ति दर्ज कराई है और इसे संसदीय परंपराओं का मजाक बताया है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपना दूसरा कार्यकाल शुरू किया। मगर अपने संबोधन में उन्होंने इमरजेंसी को भारत के इतिहास में काला दिन भी कहा। लोकसभा में इसके लिए दो मिनट का मौन भी रखा गया।

गुरुवार को, बिरला द्वारा राहुल गांधी को औपचारिक रूप से विपक्ष के नेता के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद, गांधी और विपक्षी नेताओं के एक समूह ने बिरला से मुलाकात की और बातचीत के दौरान उन्हें बताया गया कि इसे (इमरजेंसी) चर्चा करने से बचा जा सकता था। इस बारे में बोलते हुए कांग्रेस महासचिव और लोकसभा सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा, 'हमने संसद के बारे में कई मुद्दों पर चर्चा की। विपक्ष के नेता राहुल जी ने उन्हें (बिरला को) सूचित किया कि यह एक राजनीतिक संदर्भ था और इससे बचा जा सकता था।'

कांग्रेस राष्ट्रपति के अभिभाषण से भी खफा नजर आई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर कहा कि कोई भी सरकार राष्ट्रपति के अभिभाषण में ऐसे राजनीतिक मामलों को नहीं डाल सकती है। खरगे ने एक्स पर लिखा, 'मोदी सरकार द्वारा लिखित राष्ट्रपति के अभिभाषण को ऐसा लगा जैसे मोदी जी जनादेश को नकारने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं।'

संचारी रोग नियंत्रण के लिये 1 जुलाई से चलेगा विशेष अभियान

संवाददाता–बहादुरपुर, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ब्लाक सभागार में गुरूवार एडीओ पंचायत जयप्रकाश राय की मौजूदगी में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर ग्राम प्रधान सचिन व पंचायत सहायकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में स्वास्थ्य विभाग से आये बीसीपीएम शिवभूषण श्रीवास्तव नें संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर मौजूद लोगों को जानकारी देते हुए आवश्यक निर्देश दिया।

इस दौरान बीसीपीएम शिवभूषण श्रीवास्तव नें बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 31 जुलाई तक चलेगा। कहा कि वेक्टर जनित बीमारियां जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, फाइलेरिया, कालाजार आदि की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान संचालित किया जाएगा। कहा कि घर–घर दस्तक अभियान के तहत लोगों के घरों तक पहुंच कर उन्हें संचारी रोगों के प्रति जागरूक करने के साथ ही बचाव के तरीकों के बारे में भी जानकारी दी जाएगी। अभियान की तैयारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग समेत सभी सहयोगी विभागों से विस्तृत जानकारी ली जा रही है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान में आप सभी बढ़ चढ़कर सहयोग करें। क्षेत्र में कहीं भी जल भराव, नाली जाम आदि की स्थिति पैदा न होने पाए इस पर विषय ध्यान दें।

एडीओ पंचायत जय प्रकाश राय ने 1 जुलाई से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सभी ग्राम प्रधानों, सचिव, व पंचायत सहायकों को निर्देशित किया कि इस अभियान में सहयोग करें।

बैठक में मुख्यरूप से ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष अरविंद सिंह, प्रधान अखिलेश सिंह, रिजवान खान, राजदेव, करुणेश मिश्र, विजय यादव, राघवेंद्र प्रताप सिंह, शीतला प्रसाद यादव, फिरोज खान, राजीव श्रीवास्तव, वीरेंद्र कुमार, ज्ञानेंद्रधर द्विवेदी, दीपक कुमार, सर्वेश यादव, राजन चौधरी, कौशल सोनकर के साथ ही बड़ी संख्या के पंचायत सहायक उपस्थित रहे।

बहादुरपुर में संचारी रोग नियंत्रण अभियान को लेकर वृहस्पतिवार को ब्लाक सभागार में सचिव, पंचायत सहायक व ग्राम प्रधानों के साथ बैठक का आयोजन होना था किंतु ब्लाक स्तर से ग्राम प्रधानों को इस बैठक की सूचना ही नहीं दी गई।

जिससे ब्लाक के ग्राम प्रधानों में नाराजगी देखने को मिली। ग्राम प्रधानों का कहना है कि ब्लाक स्तर पर ग्राम प्रधानों की उपेक्षा की जा रही है। बैठक में ब्लाक के सभी प्रधानों को उपस्थित होना था किंतु जिम्मेदारों द्वारा प्रधानों को सूचना ही नहीं दी गई।

एसडीएम के आश्वासन पर माने किसानः 8 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकियू ने लगायी किसान पंचायत

संवाददाता–बस्ती । भारतीय किसान यूनियन जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी के नेतृत्व में 8 सूत्रीय मांगों को लेकर बस्ती सदर तहसील परिसर में किसान पंचायत का आयोजन किया गया। उप जिलाधिकारी सदर ने किसान पंचायत में आश्वासन दिया कि वाल्टरगंज चीनी मिल पर गन्ना किसानों और श्रमिकों का भुगतान जुलाई माह के में करा दिया जायेगा। पूर्व में लगभग 30 करोड का भुगतान कराया जा चुका है। उप जिलाधिकारी की पहल पर किसान पंचायत को स्थगित कर दिया गया। किसान पंचायत गन्ना मूल्य का बकाया भुगतान कराने, धान की रोपाई करने हेतु नहरों में पानी छोड़े जाने, जंगली और आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, फसल बीमा में निजी कम्पनियों को हटाकर सरकार द्वारा प्रीमियम जमा कराये जाने, सरकारी नलकूपों को ठीक कराने, कृषि कार्य हेतु किसानों को निःशुल्क कनेक्शन दिलाये जाने, सहारा के निवेशकों का भुगतान कराये जाने, वरासत या वसीयत के नाम पर धन उगाही पर रोक लगाने, यूरिया, डीएपी पर किसी प्रकार का टैग न लगाने, कुदरहा विकास खण्ड क्षेत्र के लालगंज स्थित कुंआनों पुल पर जाली लगवाये जाने आदि पर विस्तार से चर्चा की गई।

किसान पंचायत को सम्बोधित करते हुये भाकियू के पूर्वान्चल अध्यक्ष अनूप चौधरी, जिलाध्यक्ष गौरीशंकर चौधरी, मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र कुमार चौधरी, बस्ती सदर तहसील अध्यक्ष रामफेर, डा. आर.पी. चौधरी, शोभाराम ठाकुर, जयराम चौधरी, रामचन्दर सिंह आदि ने कहा कि केन्द्र और उत्तर प्रदेश की सरकार किसान हितों के प्रति गंभीर नहीं है। जब तक आवश्यक मांगे नहीं मानी जाती चरणबद्ध ढंग से किसान पंचायतें जारी रहेगी। किसान समस्याओं का निस्तारण पहली प्राथमिकता है। किसान पंचायत में त्रिवेनी चौधरी, दीप नरायन, विनोद कुमार चौधरी, ब्रम्हदेव चौधरी, पंचराम, रामपाल सिंह, राधेश्याम, सीताराम, राम सुरेमन, रमेश चन्द्र, राम शब्द, कन्हैया प्रसाद, राजेन्द्र कुमार, बगेदू, शिवसागर, रामभवन यादव, आज्ञाराम, महाबीर, राम उग्रह, रविन्द्र कुमार, मो. सलीम, सुभावती देवी, परसुराम के साथ ही भाकियू के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

समस्याओं के निराकरण के लिये तय हो अधिकारियों की जबाबदेही

संवाददाता–बस्ती । स्वास्थ्य से जुड़ी 42 योजनाओं में धन प्राप्त हो गया है। सभी सीएमओ योजनानुसार कियान्वयन सुनिश्चित करायें। उक्त निर्देश मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने दिया है। उन्होंने सभागार में मण्डल स्तरीय मासिक समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि संस्थागत प्रसव, टीकाकरण, आयुष्मान भारत, क्षय रोग नियंत्रण, संचारी रोग एंव दस्तक अभियान सहित डाटा अपडेटेशन के कार्य में तेजी लायें। उन्होने कहा कि मण्डल में टीवी रोगियों के चिन्हिकरण में की जा रही लापरवाही ठीक नही है। लक्ष्य के अनुरूप चिन्हिकरण एवं उपलब्ध चिकित्सीय सेवाओं से रोगियों को संतृप्त करें।

उन्होने सभी सीएमओ को निर्देश दिया कि मण्डलीय बैठक के पूर्व फील्ड में विजिट करे व समीक्षा कर वास्तविक समस्याओं के निराकरण हेतु अधिकारियों की जवाब देही तय करें। बैठक का संचालन करते हुए मण्डलीय प्रबंधक अरविन्द पाण्डेय ने बताया कि 1 से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण एवं 11 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जायेगा। संबंधित एमओआईसी, आशा व आगनबाड़ी कार्यकत्री के माध्यम से भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट तैयार करायी जायेंगी, जिसमें अद्यतन वास्तविक आकड़ों की फीडिंग भी करायी जायेंगी। बैठक में अपर निदेशक स्वास्थ्य डा. विनीता राय, तीनों जनपद के सीएमओ, एसीएमओ, डीएमओ, डीटीओ तथा चिकित्सा सेवा से जुड़े अधिकारी व चिकित्सक गण उपस्थित रहें।

शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें अधिकारी

संवाददाता–बस्ती। नवागत जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभागवार समीक्षा बैठक किया। उन्होने बारी बारी से सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा विभागवार संचालित विभिन्न योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को शतप्रतिशत लाभ पहुँचाया जाय। उन्होने सोलर पम्प, मुख्यमंत्री आवास, मनरेगा, निर्माण कार्य, दिव्यांगजन, जलजीवन मिशन, गोवंश, दशमोत्तर छात्रवृत्ति, कन्या सुमंगला, राष्ट्रीय पारिवारिक, अमृत सरोवर, टीवीमुक्त भारत, बीसी सखी, एंबुलेन्स की स्थिति, आईजीआरएस आदि योजनाओं की गहन समीक्षा किया। इस संबंध में उन्होने निर्देश दिया कि योजना से संबंधित विभाग के विभागाध्यक्ष लक्ष्य के सापेक्ष शतप्रतिशत प्रगति हासिल करना सुनिश्चित करें।

उन्होने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि गौशालाओं में गोवंश रजिस्टर मेनटेन किया जाय तथा गौशालाओं में संरक्षित गोवंश का अंकन किया जाय।

बैठक में उन्होने पाया कि जनपद में पौधरोपण का लक्ष्य 3758420 है। उन्होने समस्त संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागवार आवंटन के सापेक्ष पौधरोपण कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में सीडीओ जयदेव सीएस, एडीएम कमलेश चन्द्र, सीटीओ अशोक कुमार प्रजापति, पीडी राजेश झा, डीडीओ अजय सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, सीबीओ राजेश कुमार त्रिपाठी, एआरटीओ पंकज कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ला, डीएसटीओ ईशा शर्मा, सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप, अधिशासी अधिकारी पीडब्ल्यूडी केशवलाल, अवधेश कुमार तथा विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

सेंगोल भारत का गौरवः सपा के मन में भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति कोई सम्मान नहीं- योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सेंगोल (राजदंड) को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर प्रहार करते हुए गुरूवार को कहा कि सपा के मन में भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के प्रति कोई सम्मान नहीं है। योगी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'समाजवादी पार्टी के मन में भारतीय इतिहास और संस्कृति के प्रति कोई सम्मान नहीं है।' उनका यह पोस्ट अंग्रेजी में है। उन्होंने कहा, 'सेंगोल पर उसके शीर्ष नेताओं की टिप्पणियां निंदनीय हैं। यह उनकी अज्ञानता को दर्शाती है। यह विशेष रूप से तमिल संस्कृति के प्रति इंडी गठबंधन की नफरत को भी दर्शाता है।' योगी ने लिखा, 'सेंगोल भारत का गौरव है। यह सम्मान की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संसद में सर्वोच्च सम्मान दिया। समाजवादी पार्टी के सांसद आर के चौधरी ने विगत दिनों प्रोटेम स्पीकर को पत्र लिखकर सेंगोल को राजशाही का प्रतीक बताते हुए उसे संसद भवन से हटाने की मांग की थी।

ज्ञात रहे यूपी की मोहनलालगंज लोकसभा सीट से सांसद आरके चौधरी ने लोकसभा स्पीकर को लिखे पत्र में सेंगोल को हटाने की मांग की थी। चौधरी ने कहा था, 'मैं जब शपथ ले रहा था तो वहीं पर सेंगोल लगा देखा। इसका सेंगोल का अर्थ राजदंड से है। राजदंड का मतलब होता है, राजा का दंड। अब जब देश में लोकतंत्र है और व्यवस्था संविधान के अनुसार चल रही है तो फिर इसकी हमें क्या जरूरत है। इसे सदन से हटा देना चाहिए। राजा–रजवाड़ों का शासन खत्म करके ही देश में लोकतंत्र लाया गया था। इसलिए अब इसकी हमें क्या जरूरत है। अब तो देश संविधान से ही चलना चाहिए।

स्काउट गाइड के बेहतरी के लिए करेंगे हर संभव सहयोग –जिलाधिकारी

संवाददाता–बस्ती। स्काउट गाइड की बेहतरी के लिए जिला प्रशासन की तरफ से हर संभव सहयोग मिलेगा, स्काउट गाइड एक अनुशासित समाजहित में कार्य करने वाली वर्दीधारी संस्था है। यह विचार नवागत जिलाधिकारी एवं पदेन अध्यक्ष भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जिला संस्था बस्ती रवीश गुप्ता ने जिलाधिकारी कार्यालय में मिलने गए स्काउट गाइड के व अन्य लोगों से मुलाकात के दौरान व्यक्त किया।

भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जिला संस्था बस्ती के जिला सचिव कुलदीप सिंह, जिला संगठन आयुक्त स्काउट प्रताप शंकर पांडेय, अध्यक्ष स्काउट गाइड यूथ कमेटी आदर्श मिश्रा आदि ने नवागत जिलाधिकारी को स्कार्फ भेंट कर स्वागत किया और जनपद बस्ती में स्काउटिंग गाइडिंग की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

जिला सचिव भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जिला संस्था बस्ती कुलदीप सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के साथ जल्द ही स्काउट गाइड पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक जिला संस्था स्काउट भवन सभागार में होनी है जिसमें स्काउटिंग से जुड़े कई जरूरी मुद्दों पर अध्यक्ष के रूप में जिलाधिकारी का मार्गदर्शन लिया जाना है।

युगों तक याद किये जायेंगे छत्रपति साहू जी महाराज

संवाददाता–बस्ती। प्रजातंत्र की मूल भावना की स्थापना के लिये आजीवन संघर्ष करने वाले छत्रपति साहू जी महाराज को उनकी 150 वीं जयन्ती पर याद किया गया। कुर्मी महासभा द्वारा पटेल एस एम एच एण्ड पैरा मेडिकल कॉलेज गोटवा में साहू जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर योगदान पर विमर्श किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्वांचल विकास बोर्ड के अध्यक्ष अरविंद सिंह पटेल ने कहा कि छत्रपति साहू महाराज ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने राजा होते हुए भी दलित और शोषित वर्ग के कष्ट को समझा और सदा उनसे निकटता बनाए रखी। उन्होंने दलित वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू की थी। गरीब छात्रों के छात्रावास स्थापित किये और बाहरी छात्रों को शरण प्रदान करने के आदेश दिए। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।

कुर्मी महासभा जिलाध्यक्ष डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि साहू महाराज के शासन के दौरान 'बाल विवाह' पर ईमानदारी से प्रतिबंधित लगाया गया। उन्होंने अंतरजातीय विवाह और विधवा पुनर्विवाह के पक्ष में समर्थन की आवाज उठाई थी। इन गतिविधियों के लिए महाराज साहू को कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। साहू महाराज ज्योतिबा फुले से प्रभावित थे और लंबे समय तक 'सत्य शोधक समाज', फुले द्वारा गठित संस्था के संरक्षक भी रहे। ऐसे महापुरूषों से प्रेरणा लेने की जरूरत है।

विशिष्ट अतिथि प्रदेश संगठन सचिव आर. के. सिंह पटेल, मंडल उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद चौधरी, अशोक कुमार चौधरी, डा. आलोक रंजन वर्मा, अशोक वर्मा , डॉ0 रघुनाथ पटेल, हनुमान प्रसाद चौधरी ,मनसा राम चौधरी , रामदयाल पटेल , सुभाष चौधरी आदि ने कहा कि छत्रपति साहू महाराज ने दलित और पिछड़ी जाति के लोगों के लिए विद्यालय खोले और छात्रावास बनवाए। इससे उनमें शिक्षा का प्रचार हुआ और सामाजिक स्थिति बदलने लगी। परन्तु उच्च वर्ग के लोगों ने इसका विरोध किया। वे छत्रपति साहू महाराज को अपना शत्रु समझने लगे। उनके पुरोहित तक ने यह कह दिया कि– 'आप शूद्र हैं और शूद्र को वेद के मंत्र सुनने का अधिकार नहीं है। छत्रपति साहू महाराज ने इस सारे विरोध का डट कर सामना किया।

जयन्ती अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संतोष कुमार चौधरी, दूधनाथ पटेल, मनीष प्रजापति, रामपूरन ,सुभाष, चन्द्र शेखर, दिनेश चौधरी, लाल यादव, रितेश चौधरी, कविता, मनीषा, पूजा, माया ,अनीता चौधरी ,गोल्डी वर्मा ,लक्ष्मी यादव ,सूरज ,उदयभान ,शिवप्रसाद चौधरी, अमित चौधरी, सत्य प्रकाश, राम प्रकाश ,रामदयाल चौधरी आदि शामिल रहे।

यूपी 112 काफिले में अब 6278 वाहन

लखनऊ (आभा)। यूपी 112 के काफिले में अब 6278 वाहन हो गए हैं। गुरूवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1778 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाई। इससे यूपी 112 का रिस्पांस टाइम कम होगा और जरूरतमंदों तक तेजी से मदद भेजी जा सकेगी। योगी ने कहा कि हमने यूपी–112 के रिस्पांस टाइम को कम करने और पीआरवी–112 की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया है। चौपहिया के साथ दोपहिया वाहनों को भी 112 के बेड़े में शामिल किया है, ताकि गली–मोहल्लों तक आमजन की मदद की जा सके। कोरोना काल में लॉकडाउन के समय यूपी 112 सुर्खियों में बना रहा। लोगों ने पुलिस बल के सेवाभाव को देखा था।

1 जुलाई से लागू होंगे नये कानूनः किया जागरूक

संवाददाता–गोण्डा। एक जुलाई से तीन नए क्रिमनल लॉ लागू हो जाएंगे। अंग्रेजों के जमाने में बनाए गए तीनों कानून आइपीसी, सीआरपीसी और साक्ष्य कानून की जगह अब आराधिक भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लेंगे। तीनों कानून में अब किस जुर्म में कौन सी धारा लगेगी इसके लिए एसपी विनीत जायसवाल के निर्देश पर पुलिस के अधिकारी लोगों को जिलेभर में जागरूक कर रहे हैं।

एसपी विनीत जायसवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा नवनिर्मित 03 नये कानूनों को एक जुलाई से लागू किया जा रहा है। जिसके सफल क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाईयों को दूर करने के लिए सम्बन्धित से समन्वय स्थापित कर कठिनाई को दूर करने व नये कानूनों को सफलतापूर्वक लागू किये जाने के लिए जनपद व थाना स्तर पर समन्वय समिति का गठन किया गया है जिसमें जनपद स्तर पर गठित समन्वय समिति में वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी, प्रतिसार निरीक्षक, एक निरीक्षक व कम्प्यूटर आपरेटर को सम्मिलित किया गया है। जिसके नोडल अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत होंगे। इसी प्रकार थाना स्तर पर समन्वय समिति का गठन कर थाना प्रभारी, एक उपनिरीक्षक व कंप्यूटर आपरेटर को सम्मलित किया गया है।

एनसीआरबी ने लांच किया आपराधिक कानूनों का संकलन एप एक जुलाई से लागू होने वाले नए आपराधिक कानूनों के लागू होने से पहले एक महत्वपूर्ण एप लांच हुआ है। कानूनों के प्रति जागरूकता के लिए एनसीआरबी का एप्लीकेशन अत्यंत उपयोगी है। पुलिस ने बताया इस एप के जरिये तीनों नये कानूनों का पुराने कघनूनों के साथ तुलनात्मक विवरण दिया गया है और सेक्शन वार विवरण भी दिया गया है जिसका उद्देश्य एक सुलभ मंच पर आगामी कानूनी सुधारों के बारे में आवश्यक जानकारी को समेकित करने के लिए एक व्यापक मार्गदर्शिका के रूप में कार्य करना है।

सिसवा नगर पालिका अध्यक्ष का पॉवर सीज

संवाददाता–महराजगंज। शासन के नगर विकास अनुभाग ने नगर पालिका सिसवा की अध्यक्ष शकुंतला देवी का वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकार सीज कर दिया है। आरोपों की जांच के लिए जिलाधिकारी को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अवधि तक अध्यक्ष के वित्तीय एवं प्रशासनिक कार्यों के संचालन के लिए एसडीएम स्तर के अधिकारी को नामित करने का आदेश दिया है।

सिसवा नगर पालिका अध्यक्ष के खिलाफ चार प्रमुख शिकायतों की जांच के बाद तत्कालीन डीएम ने शासन को आख्या भेजी थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर नगर विकास अनुभाग ने अध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा था। जवाब संतोषजनक नहीं मिलने पर शासन ने अध्यक्ष का पॉवर सीज करते हुए डीएम को जांच अधिकारी नामित किया है।

नगर पालिका सिसवा के खाते में 1 अप्रैल 2022 को 4 करोड़ 45 लाख 79 हजार 277 रुपया था। उस दिन हुई बोर्ड की पहली बैठक में 11 करोड़ 58 लाख 69 हजार रुपये के कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। यह धनराशि नगर पालिका के पास उपलब्ध धनराशि से 7 करोड़ 12 लाख 89 हजार 722 रुपया अधिक थी। शिकायत की जांच में डीएम ने यह बात सामने आई कि उपलब्ध धनराशि लगभग 4.45 करोड़ के सापेक्ष 11.78 करोड़ के कार्यों की स्वीकृति प्रदान किया जाना वित्तीय नियमों का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। इसके अलावा 28 मई 2022 को निविदा निकाली गई थी, जिसमें तीन माह में कार्य पूरा करने का समय निर्धारित किया था। नगर पालिका को प्रति माह सरकार से 1 करोड़ 60 लाख 88 हजार 362 रुपया मिलता है। इसमें से वेतन आदि पर 30 लाख प्रति माह व्यय होता है। शेष 130.00 लाख कार्यों के लिए नियत रहता है। इस प्रकार सम्पूर्ण कार्य समाप्ति तक सरकार से प्राप्त धनराशि में से कार्य के लिए धनराशि 650 लाख हो जाती है। 7 मई 2022 को 1178.60 लाख रुपया साठ कार्यों के लिए टेंडर निकाला गया। इसमें से 16 कार्यों में तकनीकी स्वीकृति ली गई। 44 कार्यों में तकनीकी स्वीकृति नहीं ली गई। इसके बाद भी सभी कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की गई। जबकि मानक संचालन प्रक्रिया विषयक शासनादेश के अनुसार प्रशासकीय एवं तकनीकी स्वीकृति निविदा आमंत्रण के पूर्व लिया जाना अनिवार्य है। जिलाधिकारी की परीक्षण आख्या में पाया गया है कि तकनीकी स्वीकृति प्राप्त किये बिना निविदा आमंत्रित किया जाना वित्तीय नियमों के अनुरूप नहीं है । नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार के चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति 31 अगस्त 2022 को की गई थी। इसकी शिकायत पर मुख्य कोषाधिकारी, एसडीएम निचलौल एवं अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, महराजगंज की त्रिसदस्यीय जांच समिति गठित की गई। जांच टीम 15 दिसंबर 2022 को आख्या दी। जिसमें यह यह बताया गया कि नगर पालिका अध्यक्ष ने अपने पति सहित अन्य कार्मिकों की पदोन्नति व्यक्तिगत हित के मद्देनजर एकल आदेश के द्वारा की गयी है। नियमानुसार कोई भी पदोन्नति एक निश्चित समिति के माध्यम से की जानी चाहिए थी।

पुलिस मुठभेड़ में गैंगरेप के तीन आरोपियों को लगी गोली, पांच गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जोगिया पुलिस, एसओजी व सर्विलांस की संयुक्त टीम ने शुक्रवार की भोर में बांसी–नौगढ़ मार्ग पर ककरही पुल के पास मुठभेड़ में 23 जून की देर रात जोगिया क्षेत्र में हुए गैंगरेप के आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मुठभेड़ में तीन आरोपितों के पैर में गोली लगी है। उनका उपचार जोगिया पीएचसी में चल रहा है।

एसपी प्राची सिंह ने बताया कि 24 जून को एक महिला ने जोगिया थाने पर तहरीर दी कि वह दिल्ली से अपने एक मित्र से मिलने आई थी। वह रविवार की देर रात मित्र के साथ बाइक से दिल्ली जाने के लिए बांसी से बस पकड़ने जा रही थी। क्षेत्र के बांसी–नौगढ़ मार्ग पर एक सूनसान स्थान पर चार से पांच की संख्या में पहुंचे आरोपितों ने उसके साथ गैंगरेप की। उस्का मोबाइल, पैसा, जेवर व सामान छीन ले गए। सूचना पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई। एसपी ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए एसओजी, सर्विलांस व जोगिया पुलिस की एक टीम गठित कर लगा दी गई। टीम शुक्रवार की भोर में संदिग्ध बदमाशों की आने की सूचना पर बांसी–नौगढ़ मार्ग पर ककरही पुल के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक बाइक बांसी की तरफ से आता देखकर पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया तो बाइक सवार हरैया बंधे की तरफ मोड़ दिया और अनियंत्रित होकर बाइक गिर गई। इसके बाद बाइक सवार तीन लोग भागने लगे तो पुलिस टीम ने घेर कर पकड़ने का प्रयास किया तो वह लोग पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में फायरिंग की तो तीनों बदमाश घायल होकर गिर गए। तीनों के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायलों के पास से असलहे बरामद कर लिया। पुलिस की गोली से घायलों में राम गुलाम, जितेंद्र यादव व रामदीन पासवान हैं। एसपी ने बताया कि तलाशी के दौरान आरोपितों के पास से 24 जून की रात गैंगरेप की घटना से संबंधित

पीड़िता से छीने गए मोबाइल फोन, आधार कार्य, ड्राइविगं लाइसेंस, पैसा बरामद हुआ। घटना के संबंध में थाने में धारा 307, 504, 506 व 3/25, 5ध 27 आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर घायलों को पीएचसी जोगिया ले जाया गया। पूछताछ में आरोपितों ने घटना में शामिल गोलू उर्फ मिथुन व अमन के बारे में बताया। इसके बाद उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि हम पांचों लोग मसिना में स्थित एक ढाबे से पार्टी करके दो बाइक से ककरही पुल की तरफ जा रहे थे। जोगिया उदयपुर थाने के आगे पहुंचे तो देखे की मेन रोड के किनारे एक आधा–अध ूरा मकान के सामने एक बाइक खड़ी है। हम लोग उत्सुकता वश देखने के लिए रुक गए तो वहां कोई दिखाइ नहीं दिया। हम लोग मकान के अंदर जाकर देखे तो एक युवक व एक महिला सोये हुए थे। हम लोग उनका नाम पता पुछते हुए विडियो बनाने लगे और युवक को मारने लगे। इसके बाद युवक भाग गया। तब हम लोग महिला को कट्टे से डराकर जबरदस्ती बाइक पर बैठाकर नदी बंधे के रास्ते से हरैया गांव के पास पहुंचकर नदी के किनारे ले जाकर रेप किए। साथ ही उसके बैग में रखे मोबाइल, जेवर, पैसे निकाल लिए और उसको बाइक पर बैठाकर सड़क पर लाकर छोड़ दिए और हम लोग अपने घर चले गए। अगले दिन मिलकर हम लोग पैसा जेवर बांट लिए थे और रात में को पकड़े जाने के डर से नेपाल भाग रहे थे।

आरोपितों के पास से दो तमंचा 315 बोर, एक तमंचा 12 बोर, तीन कारतूस, चार खोखा, दो बाइक, दो आधार कार्ड, दो निर्वाचन कार्ड, दो एटीएम कार्ड, एक ड्राइविंग लाइसेंस, तीन एन्ड्रॉयड फोन, दो कीपैड मोबाइल फोन, 62 सौ रुपये व जेवरात बरामद हुए। आरोपित राम गुलाम पुत्र राम प्रसाद निवासी कोटिया थाना उस्का बाजार, जोगिया थाना क्षेत्र के तकियहवा निवासी जितेंद्र यादव पुत्र संकटा प्रसाद यादव, डड़िया सूपाराजा निवासी रामदीन पासवान पुत्र हंसराज पासवान, जोगिया उदयपुर निवासी अमन कुमार पुत्र सुक्खू व भिटिया राजा निवासी गोलू उर्फ मिथुन पुत्र स्व. रामहरक को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में रामकृ पाल शुक्ल, प्रभारी निरीक्षक थाना जोगिया, एसओजी प्रभारी शेषनाथ यादव, सर्विलांस सेल के एसआई सुरेंद्र सिंह, एसआई जयप्रकाश तिवारी, गणेश दत्त मिश्र थाना जोगिया, हेड कांस्टेबल राजीव शुक्ल, दिलीप कुमार, आशुतोष धर दुबे, रोहित चौहान, वीरेन्द्र त्रिपाठी, छविराज यादव एसओजी, हेड कांस्टेबल हिन्दे आजाद, जनार्दन प्रजापति, विवेक मिश्र, कांस्टेबल अभिनंन्दन सिंह सर्विलांस सेल, हेड कांस्टेबल गुलाब शाही, कांस्टेबल पंचम यादव, अभय प्रताप यादव, वीरेन्द्र यादव, राजाराम राजभर थाना जोगिया शामिल रहे।

दो चौकी इंचार्ज समेत 11 पुलिस कर्मी लाइन हाजिर

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले कांटे और बखिरा के चौकी इंचार्ज समेत 11 पुलिस कर्मियों को गुरुवार को लाइन हाजिर कर दिया। लाइन हाजिर किए गए पुलिस कर्मियों को अग्रिम आदेश तक पुलिस लाइन में विशेष प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा अन्य ड्यूटी ली जाएगी। एसपी की इस कार्रवाई से पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया है।

कांटे और बखिरा चौकी क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं बढ़ रही थीं। घटनाओं का अनावरण करने और रोकने में चौकी इंचार्ज अक्षम साबित हो रहे थे। इसके अलावा जन शिकायतों के निस्तारण में रुचि नहीं ले रहे थे। ऐसी शिकायतें लगातार एसपी को मिल रही थीं। जिसकी वजह से एसपी ने कांटे के चौकी इंचार्ज एसआई राकेश कुमार और बखिरा के चौकी इंचार्ज एसआई धर्मेंद्र यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया। इसके अलावा जनता से मिल रही शिकायतों की वजह से पुलिस ऑफिस में पेशी में तैनात हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र कुमार, कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल अनिल कुमार यादव, हेड कांस्टेबल दीनानाथ राजभर, कांस्टेबल अनूप यादव, कांस्टेबल ओमवीर सिंह, थाना बेलहर में तैनात हेड कांस्टेबल राघवेंद्र सिंह, दुधारा थाने में तैनात कांस्टेबल प्रशांत विक्रम सिंह, थाना महुली में तैनात कांस्टेबल चंदन कुमार यादव और थाना मेंहदावल में तैनात कांस्टेबल भूपेंद्र प्रताप सिंह को लाइन हाजिर कर दिया।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने पूर्व में कांटे चौकी के चौकी इंचार्ज समेत सभी पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया था। इसकी वजह हाईवे पर वाहनों से अवैध वसूली किए जाने की शिकायतें थीं। इसके अलावा एसपी ने थानाध्यक्षों के कारखास रहे डेढ़ दर्जन से अधिक पुलिस कर्मियों को लाइन हाजिर किया था। एसपी की कार्यशैली से परचित होने के बाद भी आदत में सुधार नहीं करने वाले पुलिस कर्मियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

एसपी सत्यजीत गुप्ता ने कहा कार्य में लापरवाही बरतने, जन शिकायतों के निस्तारण में रुचि नहीं लेने और चोरी आदि की घटनाओं पर रोक नहीं लगा पाने की वजह से कांटे और बखिरा के चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर किया गया है। इसके अलावा जो पुलिस कर्मी लाइन हाजिर हुए हैं, उनकी भी शिकायतें मिल रही थी। लाइन हाजिर किए गए दोनों चौकी इंचार्ज समेत अन्य पुलिस कर्मियों को विशेष प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया है। इसके अलावा अन्य ड्यूटी भी ली जाएगी।

पुरस्कृत होंगे दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोग

संवाददाता–बस्ती । वित्तीय वर्ष 2024–25 में विश्व दिव्यांग दिवस 03 दिसम्बर के अवसर पर दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों/संस्थाओं को विभिन्न श्रेणी के राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जाना है। उक्त जानकारी देते हुए प्र0 जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय ने बताया है कि पुरस्कार हेतु आवेदन प्राप्ति की तिथि 15 जुलाई 2024 निर्धारित है। उन्होने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु आवेदन वेबसाइट disabilityaffairs. gov . in से प्राप्त किये जा सकते है। उन्होने बताया कि राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली 2017 के अन्तर्गत पुरस्कार हेतु श्रेणी–दक्ष दिव्यांग कर्मचारी स्वनियोजित दिव्यांगजन, दिव्यांगजन हेतु सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेन्सी, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था, प्रेरणा श्रोत, दिव्यांग के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास, दिव्यांगजन हेतु ''बाधामुक्त वातावरण'' के सृजन हेतु सर्वश्रेष्ठ कार्य, दिव्यांगजन को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले ''सर्वश्रेष्ठ जिला'', सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग व्यस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका, सर्वश्रेष्ठ ब्रेलप्रेस, दिव्यांगजन के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाड़ियों तथा दिव्यांगजन के सशक्तीकरण हेतु कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए है।उन्होने बताया कि निर्धारित श्रेणी के पुरस्कार से सम्बन्धित अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र भर कर 02 प्रति कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, विकास भवन बस्ती कक्ष संख्या 11 में दिनांक 07 जुलाई, 2024 की सांय 4:00 बजे तक प्राप्त करा सकते है।

शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें बैंक–डीएम

संवाददाता–बस्ती। कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकों की डी.सी.सी./डी. एल.आर.सी. की बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने कहा कि सभी बैंक शासन की मंशानुरूप कार्य करें। केन्द्र व राज्य सरकार के योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण सहयोग दें। जिलाधिकारी ने विभिन्न योजनाओं के लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होने कहा कि बैंक अधिकारी किसानों/आमजन व लाभार्थियों के प्रति संवेदनशील बनें।

उन्होने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार, एक जनपद एक उत्पाद की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होने कहा कि आवेदन अधिक लम्बित होने पर यह माना जायेंगा कि बैंक अधि ाकारियों ने कार्य में रूचि नही ली है।

उन्होने कहा कि युवाओं को स्वावलम्बि बनाने के लिए बैंको को योजनान्तर्गत ऋण आवेदनों को स्वीकृति प्रदान कर वितरण करना सुनिश्चित करें।

बैठक का संचालन लीड बैंक मैनेजर आर.एन. मौर्या ने किया। इसमें सीडीओ जयदेव सीएस, डीडीओ अजय सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक के सहायक प्रबंधक, डीडीएम नाबार्ड, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप, मत्स्य के संदीप कुमार वर्मा, डूडा की सुनीता सिंह, डीएसटीओ ईशा शर्मा विधायक प्रतिनिधि ा कप्तानगंज व सदर तथा सभी बैंको के जिला समन्वयक उपस्थित रहें।

जिला चिकित्सालय में नए कक्ष से पंजीकरण शुरू

संवाददाता–अयोध्या। जिला चिकित्सालय में नए कक्ष से पंजीकरण शुरू हो गया। प्रमुख चिकित्सा अध ीक्षक डॉ. उत्तम कुमार ने फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। जिला चिकित्सालय में अभी तक दो जगह से ओपीडी में आने वाले मरीजों के लिए पंजीकरण होता है। इमरजेंसी के सामने वाले पंजीकरण कक्ष में लम्बी लाइन की वजह से आवागमन में दिक्कतें होती थी। जिला चिकित्सालय में आने वाली भीड़ को दो जगह में बांटने का प्लान बनाया गया है, जिसके तहत दो स्थान पर पर्चा काउंटर व दवा वितरण कक्ष बनाया गया। जिसमें इमरजेंसी के सामने पर्चा काउंटर व पुरानी ओपीडी के पास दवा वितरण कक्ष तथा नये भवन में दोनों की सुविधाएं दी गई।

डाक पंजीकरण संख्या बी.एस.टी./82 R.N.I. 40367/84
साप्ताहिक
आवाज दर्पण
प्रत्येक रविवार
स्वत्वाधिकारी भारतीय बस्ती प्रकाशन की ओर से प्रकाशक एवं सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय द्वारा 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से प्रकाशित और मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस 70 नया हाल जिला परिषद भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित।
सम्पादक–दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिलीप चन्द्र पाण्डेय
मो.०६४५०५६७४५०
Email- Awazdarpan@yahoo.com